

शिव जैसा कोई दिखे नहीं

मैं रहूँगी तेरी ही बन कर,
इस दुनिया में तुझसे बड़ कर शिव शंकर कोई दिखे नहीं
ना देव असुर न किनर तेरे समाने कोई टिके नहीं
शिव शंकर जैसा दिखे नहीं

तुम तीन लोक के मालिक हो मैंने तुमको अपना मान लिया
मैंने करी तपस्या वन जा कर के बनो तुम ही मेरे पिया
मैं पति तुम ही को मान चुकी तुम सा जान चुकी के खूब लगाये चक्र
इस दुनिया में तुझसे बड़ कर शिव शंकर कोई दिखे नहीं

तेरे शीश से गंगा बेहती है चंदा मस्तक पे विराज रहां
तिरशूल हाथ गल विष धर है डम डम डमरू बाज रहा
तुम जग से नाथ निराले हो पी जाते विष के प्याले
नहीं तेरी किसी से टकर मैंने खूब लगाये चक्र
इस दुनिया में तुझसे बड़ कर शिव शंकर कोई दिखे नहीं

राजा की तू राज दुलारी है हम तो साधू सन्यासी है
ना होगी संग गुजर गोरी हम मरघट जंगल वासी है
इस जोगी संग क्या पाओगी जीवन भर धक्के खाऊँगी
मैं खुद ही सोच समज कर आई हु आप तक चल कर
शिव शंकर कोई दिखे नहीं

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/17108/title/shiv-jaisa-koi-dikhe-nhi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |